भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 83

उत्तर देने की तारीख 10 फरवरी, 2025

सोमवार, 21 माघ 1946 (शक)

स्किल इंडिया डिजिटल पहल के उद्देश्य

*83. डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्किल इंडिया डिजिटल पहल का ब्यौरा और इसके उद्देश्य क्या हैं;

(ख) क्या उक्त पहल से देश में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को अपनाए जाने को बढ़ावा मिलने की संभावना है और इससे उद्योग को किस प्रकार सहायता मिलने की संभावना है; और

(ग) स्किल इंडिया डिजिटल का उपयोग करने से नागरिकों को होने वाले संभावित फायदों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ग) एक विवरण सदन के पटल पर रखा है ।

'स्किल इंडिया डिजिटल पहल के उद्देश्य' के संबंध में दिनांक 10.02.2025 को उत्तर दिए जाने हेतु डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले, माननीय सांसद, लोक सभा द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *83 के भाग (क) से (ग) तक के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) स्किल इंडिया डिजिटल हब एक व्यापक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसे भारत में कौशलों, शिक्षा, रोज़गार और उद्यमशीलता परिदृश्य में तालमेल बिठाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह उद्योग संगत कौशल कोर्स, रोज़गार के अवसर और उद्यमशीलता समर्थन तक पहुंच प्रदान करके बेहतर अवसरों की तलाश में लाखों भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है । कौशल, शिक्षा, रोज़गार और उद्यमशीलता के लिए डिजिटल लोक अवसंरचना के रूप में सिध इन क्षेत्रों में सभी सरकारी पहलों के लिए एक व्यापक सूचना द्वार के रूप में कार्य करता है, जो इसे उन नागरिकों के लिए एक सुलभ केन्द्र बनाता है जो कैरियर में प्रगति करना चाहते हैं और जीवन भर सीखना चाहते हैं । सिध के प्राथमिक उद्देश्यों में शामिल हैं डिजीटल प्रौद्योगिकीयों में व्यक्तिगत सक्षमताओं को बढ़ा कर कौशल विकास को डिजिटल पहुँच प्रदान करना, कौशलन इकोसिस्टम को समेकित करना, नियोजनीयता और उद्यमशीलता को बढ़ाना, जीवनभर सिखलाई को बढ़ावा देना, सूचना द्वार के रूप में कार्य करना और डेटा के आधार पर निर्णय लेने को श्रेय देना ।

(ख) सिद्ध को देश में डीपीआई को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एसआईडीएच भारत के कौशल विकास, शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता परिदृश्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण डीपीआई में से एक है क्योंकि यह एक मूलभूत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है जो विभिन्न सार्वजनिक और निजी हितधारकों का समर्थन और एकीकरण करता है। यह एक स्केलेबल और इंटरऑपरेबल इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में कार्य करता है जो कौशल अंतरालों को पाट कर संसाधनों तक पहुंच, वितरण और प्रबंधन की सुविधा प्रदान करता है।

यह मंच डीपीआई के निर्माण के लिए जी20 परिणाम दस्तावेज़ में व्यक्त दृष्टिकोण के अनुरूप है। सिद्ध अपने डिजिटल लर्निंग पार्टनर्स द्वारा प्रदान किए गए बिग डेटा, मशीन लर्निंग और एनालिटिक्स आदि पर भविष्य के पाठ्यक्रमों की पेशकश करके उद्योग 4.0 के लिए भारतीय कार्यबल को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इंडस्ट्री 4.0 कोर्स जैसे उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फाउंडेशन, जेनेरेटिव एआई, सुपरवाइज्ड लर्निंग के साथ क्लासिकल मशीन लर्निंग मॉडल का निर्माण, डेटा एनालिटिक्स एसेंशियल, रिलेशनल डेटा वेयरहाउस में एनालिटिक्स डेटा, साइबर सिक्योरिटी एसेंशियल, डेटा साइंस का परिचय, किसान ड्रोन ऑपरेटर, ईवी सर्विस टेक्निशियन, बायो-वेस्ट मैनेजमेंट जैसे अन्य प्रमाणन पाठ्यक्रमों के साथ मंच पर पेश किए जा रहे हैं।

(ग) एसआईडीएच नागरिकों को कई लाभ प्रदान करता है, जिसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कभी भी और कहीं भी उपलब्ध उच्च-गुणवत्ता, उद्योग-संरेखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और संसाधनों, लगातार सीखने तथा कौशलोन्नयन के माध्यम से कैरियर में प्रगति के

अवसरों तक पहुंच शामिल है। एसआईडीएच विश्वसनीयता और रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए मान्यता प्राप्त कौशल प्रमाणपत्र और रोज़गार नियोजन समर्थन प्रदान करता है, नौकरी चाहने वालों को नियोक्ताओं और नौकरी के अवसरों से जोड़ता है, और निरंतर सीखने और कौशल बढ़ाने को बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों में कौशल अंतर को पाटना, समावेशी विकास और अवसरों तक समान पहुंच सुनिश्चित करना है। इसके अलावा, एसआईडीएच इच्छुक उद्यमियों को उनके व्यवसाय को सफलतापूर्वक शुरू करने और बढ़ाने में मदद करने के लिए संसाधन, प्रशिक्षण और समर्थन प्रदान करता है, जिससे समग्र आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान मिलता है।

******